भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1658 का उत्तर

उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में रेल कनेक्टिविटी का अभाव

1658. श्री राम शिरोमणि वर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उत्तर प्रदेश के एक आकांक्षी जिले श्रावस्ती में रेल कनेक्टिविटी के अभाव के कारण पर्यटन, व्यापार, कृषि और रोजगार जैसे क्षेत्रों में अपेक्षित विकास अभी तक नहीं हो पाया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या विगत पांच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा श्रावस्ती संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं के विस्तार और रेलवे अवसंरचना के विकास के लिए कोई कार्य किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित नई रेल लाइनों, रेल पटरियों के दोहरीकरण, विद्युतीकरण या नई रेल सेवाएं शुरू करने से संबंधित कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार उक्त परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए कोई समयबद्ध कार्य योजना तैयार कर रही है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसको कब तक अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेल परियोजनाएं क्षेत्रीय रेल-वार सर्वेक्षण/स्वीकृत/क्रियान्वित की जाती हैं, न कि राज्य-वार/क्षेत्र-वार/निर्वाचन क्षेत्र-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

श्रावस्ती जिले से गुजरने वाली बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन परियोजना (240 कि.मी.) को 4,940 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया है। मार्च, 2026 तक 1,525 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है और वर्ष 2026-27 में इस परियोजना के लिए 686 करोड़ रुपए का परिव्यय प्रदान किया गया है।

इस परियोजना को राज्य सरकार के माध्यम से भूमि अधिग्रहण के लिए "विशेष रेल परियोजना" के रूप में अधिसूचित किया गया है। प्रमुख खंड-वार प्रगति निम्नानुसार है:

खंड	कार्यों की स्थिति
खलीलाबाद-बांसी (54 कि.मी.)	भूमि अधिग्रहण: 254.44 हेक्टेयर में से 246.81 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है, शेष भूमि का अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है। खुदाई कार्य: 61.71 लाख घन मीटर में से 37.03 लाख घन मीटर खुदाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है और आगे का कार्य शुरू किया गया है। बड़े पुल: सभी 26 बड़े पुलों पर कार्य शुरू कर दिया गया है। निचले सड़क पुल: 56 निचले सड़क पुलों में से 27 का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा शेष का कार्य शुरू कर दिया गया है। ऊपरी सड़क पुल: सभी 4 ऊपरी सड़क पुलों पर कार्य शुरू कर दिया गया है। स्टेशन भवन: सभी 7 स्टेशन भवनों पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
बांसी-इकौना (120 कि.मी.)	भूमि अधिग्रहण: 568.22 हेक्टेयर में से 48.02 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है और शेष भूमि का अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है।
इकौना-बहराइच (66 कि.मी.)	भूमि अधिग्रहण: 329.60 हेक्टेयर में से 274.17 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है और शेष भूमि का अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है।

<u>उत्तर प्रदेश:</u>

रेल बजट:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2026-27	20,012 करोड़ रुपए (18 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 किलोमीटर	199 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-26	5,499 किलोमीटर	458 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 62,417 करोड़ रुपए की लागत पर 3,691 किलोमीटर कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (09 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 39 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	09	1,200	365	11,885
आमान परिवर्तन	01	11	0	27
दोहरीकरण/बहुपथन	39	2,480	985	21,631
कुल	49	3,691	1,350	33,543

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (₹ करोड़ में)
1	मेरठ-मुज़फ्फरनगर दोहरीकरण (55 कि.मी.)	430
2	बहराइच-नेपालगंज आमान परिवर्तन (56 कि.मी.)	342
3	बलिया-गाजीपुर सिटी दोहरीकरण (65 कि.मी.)	650
4	गाजीपुर सिटी-तारीघाट नई लाइन (17 कि.मी.)	1,766
5	गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 कि.मी.)	863
6	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 कि.मी.)	318
7	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 कि.मी.)	1,700

8	कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन (234 कि.मी.)	819
9	पीलीभीत-शाहजहाँपुर आमान परिवर्तन (83 कि.मी.)	589
10	इंदारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 कि.मी.)	213
11	लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 कि.मी.)	1,634
12	भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 कि.मी.)	168
13	लहोटा-भदोही दोहरीकरण (39 कि.मी.)	184
14	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 कि.मी.)	313
15	फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 कि.मी.)	212
16	मुजफ्फरनगर-टपरी दोहरीकरण (52 कि.मी.)	525
17	उतरेटिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 कि.मी.)	662
18	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 कि.मी.)	668
19	आलमनगर-उतरेटिया दोहरीकरण (20 कि.मी.)	358
20	भीमसेन-झाँसी दोहरीकरण (206 कि.मी.)	2,620
21	डोमिनगढ़-कुसुम्ही तीसरी लाइन एवं गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण (21 कि.मी.)	508
22	मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 कि.मी.)	183
23	रूमा चकेरी-चंदारी तृतीय लाइन (13 कि.मी.)	177
24	बरेली-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 कि.मी.)	313
25	रोसा-बुढ़वल दोहरीकरण (181 कि.मी.)	2,094
26	जौनपुर-अकबरपुर दोहरीकरण (77 कि.मी.)	676
27	रामना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2,436
28	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 कि.मी.)	414
29	वाराणसी-प्रयागराज दोहरीकरण (120 कि.मी.)	2,018
30	करैला रोड-शक्तिनगर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	763
31	देवबंद-रुड़की नई लाइन (27 कि.मी.)	1,289
32	आगरा-इटावा नई लाइन (110 कि.मी.)	427
33	फेफना-इंदारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 कि.मी.)	1,778
34	जंघई-प्रतापगढ़-अमेठी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	1,429
35	बुढ़वल-गोंडा तृतीय लाइन (62 कि.मी.)	1,308

चालू परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (₹ करोड़ में)
1	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 कि.मी.)	426
2	बुढ़वल- गोंडा कचहरी चौथी लाइन (56 कि.मी.)	796
3	बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन (240 कि.मी.)	4,940
4	कटरा-अयोध्या धाम दोहरीकरण (10 कि.मी.)	466
5	पंडित दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज तीसरी लाइन (150 कि.मी.)	2,649
6	बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1,424
7	छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	1,046
8	एटा-कासगंज नई लाइन (29 कि.मी.)	389
9	गोरखपुर-वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 कि.मी.)	1,121
10	वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय तीसरी और चौथी लाइन (15 कि.मी.)	2,464
11	झांसी- मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 कि.मी.)	4,330
12	सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 कि.मी.)	1,320
13	प्रयागराज (इरादतगंज)-मानिकपुर तीसरी लाइन (84 कि.मी.)	1,508
14	भटनी-औंड़िहार दोहरीकरण (117 कि.मी.)	2,529
15	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 कि.मी.)	5,961
16	आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण (150 कि.मी.)	988
17	बाराबंकी-मल्हौर तीसरी और चौथी लाइन (33 कि.मी.)	450
18	फाफामऊ-ऊंचाहार दोहरीकरण (72 कि.मी.)	899
19	औंड़िहार-वाराणसी सिटी तीसरी लाइन (31 कि.मी.)	497
20	गाजियाबाद-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन (403 कि.मी.)	14,926
21	नागदा-मथुरा तीसरी और चौथी लाइन (568 कि.मी.)	16,403
22	बुढ़वल-सीतापुर सिटी तीसरी और चौथी लाइन (103 कि.मी.)	2,276

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- किसी परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

विद्युतीकरणः

भारतीय रेल पर रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.6% विद्युतीकरण किया जा चुका है। शेष नेटवर्क पर विद्युतीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2014-26 के दौरान और 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-26	48,072

उत्तर प्रदेश में मौजूदा पूरे बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण किया गया है। इसके अलावा, सभी नई लाइन/बहुपथन परियोजनाओं को विद्युतीकरण के साथ ही स्वीकृत और निर्मित किया जा रहा है।

रेलगाड़ी सेवाएं:

भारतीय रेल संपर्कता में सुधार लाने और यात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने का निरंतर प्रयास करती है और इस उद्देश्य के लिए 2025-26 और 2026-27 (जून, 2026 तक) के दौरान निम्नलिखित कार्य किए गए हैं जो अन्य स्थानों के साथ-साथ, बलरामपुर, तुलसीपुर, कौवापुर और गैंसड़ी के यात्रियों की आवश्यकता को पूरा करते हैं:

1. 26.05.2026 से 55061/55062 नकहा जंगल-ऐशबाग पैसेंजर शुरू की गई है, जिसके ठहराव बलरामपुर, तुलसीपुर, कौवापुर और गैंसड़ी में दिए गए हैं।

2. 14.05.2026 से 14663/14664 न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू की गई है, जिसका ठहराव बलरामपुर में दिया गया है।

इसके अलावा, बलरामपुर में ठहराव के साथ 14045/14046 गोरखपुर-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू करने और तुलसीपुर में ठहराव के साथ 13507/13508 आसनसोल-गोरखपुर एक्सप्रेस को बलरामपुर तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

वर्तमान में, बलरामपुर जो श्रावस्ती लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख स्टेशन है, जिसे 26 रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जाता है जो अन्य स्थानों के साथ-साथ दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, गोरखपुर, अमृतसर आदि जैसे गंतव्यों को संपर्कता प्रदान करती हैं।

इसी तरह, तुलसीपुर, कौवापुर और गैंसड़ी स्टेशनों को क्रमशः 22 रेलगाड़ी सेवाएं, 08 रेलगाड़ी सेवाएं और 08 रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जाता है। इन स्टेशनों को सेवित करने वाली रेलगाड़ियों की सूची निम्नानुसार है:

बलरामपुर स्टेशन को सेवित करने वाली रेलगाड़ियां:

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	14663 न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर अमृत भारत एक्सप्रेस
2	14664 अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस
3	11079 लोकमान्य तिलक (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
4	11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
5	12571 गोरखपुर-आनंद विहार (टी) एक्सप्रेस
6	12572 आनंद विहार (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
7	15009 गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस
8	15010 इज्जतनगर-गोरखपुर एक्सप्रेस
9	15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस
10	15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस
11	15067 गोरखपुर-बांद्रा (टी) एक्सप्रेस
12	15068 बांद्रा (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
13	15069 गोरखपुर-ऐशबाग एक्सप्रेस
14	15070 ऐशबाग-गोरखपुर एक्सप्रेस
15	15081 गोरखपुर-गोमती नगर एक्सप्रेस

16	15082 गोमती नगर-गोरखपुर एक्सप्रेस
17	15705 कटिहार-दिल्ली एक्सप्रेस
18	15706 दिल्ली जंक्शन-कटिहार एक्सप्रेस
19	22199 ग्वालियर-बलरामपुर एक्सप्रेस
20	22200 बलरामपुर-ग्वालियर एक्सप्रेस
21	22921 बांद्रा (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
22	22922 गोरखपुर-बांद्रा (टी) एक्सप्रेस
23	55061 नकहा जंगल-ऐशबाग पैसेंजर
24	55062 ऐशबाग-नकहा जंगल पैसेंजर
25	75107 नकहा जंगल-गोंडा डेमू
26	75108 गोंडा-नकहा जंगल डेमू

तुलसीपुर स्टेशन को सेवित करने वाली रेलगाड़ियां:

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	11079 लोकमान्य तिलक (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
2	11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
3	12571 गोरखपुर-आनंद विहार (टी) एक्सप्रेस
4	12572 आनंद विहार (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
5	15009 गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस
6	15010 इज्जतनगर-गोरखपुर एक्सप्रेस
7	15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस
8	15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस
9	15067 गोरखपुर-बांद्रा (टी) एक्सप्रेस
10	15068 बांद्रा (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
11	15069 गोरखपुर-ऐशबाग एक्सप्रेस
12	15070 ऐशबाग-गोरखपुर एक्सप्रेस
13	15081 गोरखपुर-गोमती नगर एक्सप्रेस
14	15082 गोमती नगर-गोरखपुर एक्सप्रेस
15	15705 कटिहार-दिल्ली एक्सप्रेस
16	15706 दिल्ली-कटिहार एक्सप्रेस

17	22921 बांद्रा (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
18	22922 गोरखपुर-बांद्रा (टी) एक्सप्रेस
19	75107 नकहा जंगल-गोंडा डेमू
20	75108 गोंडा-नकहा जंगल डेमू
21	55061 नकहा जंगल-ऐशबाग पैसेंजर
22	55062 ऐशबाग-नकहा जंगल पैसेंजर

कौवापुर स्टेशन को सेवित करने वाली रेलगाड़ियां:

क्र. सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	11079 लोकमान्य तिलक (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
2	11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
3	15067 गोरखपुर-बांद्रा (टी) एक्सप्रेस
4	15068 बांद्रा (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
5	55061 नकहा जंगल-ऐशबाग पैसेंजर
6	55062 ऐशबाग-नकहा जंगल पैसेंजर
7	75107 नकहा जंगल-गोंडा डेमू
8	75108 गोंडा-नकहा जंगल डेमू

गैंसड़ी स्टेशन को सेवित करने वाली रेलगाड़ियां:

क्र. सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	11079 लोकमान्य तिलक (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
2	11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
3	15067 गोरखपुर-बांद्रा (टी) एक्सप्रेस
4	15068 बांद्रा (टी)-गोरखपुर एक्सप्रेस
5	75107 नकहा जंगल-गोंडा डेमू
6	75108 गोंडा-नकहा जंगल डेमू
7	55061 नकहा जंगल-ऐशबाग पैसेंजर
8	55062 ऐशबाग-नकहा जंगल पैसेंजर

इसके अलावा, भारतीय रेल पर नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना एक सतत् प्रक्रिया है जो कि विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें शामिल हैं:

- उस खंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना उपलब्धता
- रेलवे पटरियों और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता
- खंड की अधिभोगिता और यातायात आवश्यकता

अमृत भारत स्टेशनः

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था**
- **प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था**
- **पार्किंग क्षेत्र का विकास**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के तहत विकास के लिए 1,340 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिसमें श्रावस्ती लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के बलरामपुर और तुलसीपुर स्टेशनों सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनन्द नगर जंक्शन, अनोला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूँ, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बालामऊ जंक्शन, बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम, कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फ़तेहपुर, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, ग़ाज़ियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खोरासन रोड़, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग एवं जंक्शन), लखनऊ सिटी, मां बेल्हा देवी धाम, प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजगंज बिजली पासी, महोबा, मैलानी, मैनपुरी जं., मल्हौर जं., मानकनगर जं., मानिकपुर जं., मरियाहू, मथुरा, मऊ,

		मेरठ सिटी, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद, मुज्जफरनगर नगीना, नजीबाबाद जं., उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जं., फूलपुर, पीलीभीत, पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय, रायबरेली जं., राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनुकूट, सहारनपुर जं., सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जं., शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जं., शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जं., सोनभद्र, श्री कृष्णा नगर, सुल्तानपुर जं., सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जं., उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जं., उतरेटिया जं., वाराणसी कैंट. वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, व्यासनगर, जाफराबाद

स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं:

उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पूरे किये गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	38	ऐशबाग जंक्शन, अयोध्या धाम जंक्शन, बछरावां, बहेरी, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, चुनार जंक्शन, डालीगंज, धामपुर, फतेहाबाद, फतेहपुर, गौरीगंज, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, खलीलाबाद, मैलानी जंक्शन, मोदीनगर, मोहनलालगंज, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, पुखरायां, प्रयाग जंक्शन, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जंक्शन सलेमपुर, शामली, सिद्धार्थनगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी, विंध्याचल

श्रावस्ती लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रः

श्रावस्ती लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं और स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

- **बलरामपुरः विकास कार्य पूरे कर लिए गए हैं।**

- **तुलसीपुर स्टेशनः स्टेशन भवन में सुधार, प्रवेश द्वार पोर्च, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग क्षेत्र में सुधार, प्रतिक्षालयों, शौचालयों, प्लेटफॉर्म शेल्टर और संकेतकों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू किया गया है।**

अन्य स्टेशनों पर भी विकास की गतिविधियां तीव्र गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- **लखनऊ (चारबाग) एनआर स्टेशन: दूसरे प्रवेश पर नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा किया जा चुका है। दूसरे प्रवेश के स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, कॉनकोर्स, 10 मीटर चौड़े पैदलपार पुल, परिचलन क्षेत्र का विकास कार्य और मुख्य प्रवेश पर परिचलन क्षेत्र का विकास कार्य शुरू किया गया है।**

- **गोरखपुर स्टेशन: मल्टी-लेवल कार पार्किंग, वाणिज्यिक ब्लॉक, नई लॉन्ड्री और विद्युत सब-स्टेशन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य स्टेशन भवन, दूसरा प्रवेश स्टेशन बिल्डिंग और पैदलपार पुल का संरचनात्मक कार्य, और मल्टी-लेवल कार पार्किंग क्षेत्र, वाणिज्यिक ब्लॉक, नई लॉन्ड्री और विद्युत सब-स्टेशन के फिनिशिंग का कार्य शुरू हो गया है।**

- **देवरिया सदर स्टेशन: प्रतीक्षालय, रिटायरिंग रूम, डॉरमेट्री, पार्किंग क्षेत्र, परिचलन क्षेत्र को बेहतर बनाने, प्रवेश/निकास द्वार और प्लेटफॉर्म शेल्टर को बेहतर बनाने का काम पूरा हो चुका है। नई स्टेशन बिल्डिंग, प्रवेशद्वार पोर्च, 12 मीटर चौड़े पैदलपार पुल, लिफ्ट, एस्केलेटर, 'पे एंड यूज़' टॉयलेट को बेहतर बनाने और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू हो गया है।**

- **भटनी स्टेशन: स्टेशन बिल्डिंग को बेहतर बनाने, प्रवेश द्वार पोर्च, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग क्षेत्र को बेहतर बनाने का काम पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म की सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर को बेहतर बनाने और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य शुरू हो गया है।**

- **बस्ती स्टेशन: स्टेशन बिल्डिंग को बेहतर बनाने, परिचलन क्षेत्र को बेहतर बनाने, पार्किंग क्षेत्र, प्रतिक्षालय, टॉयलेट, प्लेटफॉर्म की सतह को बेहतर बनाने, प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए प्रवेश द्वार प्रांगण, नए 'पे एंड यूज़' टॉयलेट ब्लॉक और भूसुदर्शीनिकरण का कार्य पूरा हो चुका है। प्रकाश व्यवस्था और संकेतकों का कार्य शुरू हो गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालित हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पांच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए पिछले पांच वित्त वर्षों के दौरान 17,973 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है और चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 13,624 करोड़ रुपए (जून, 2026 तक) का व्यय उपगत किया गया है।

******